केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)
क्षेत्रीय निदेशालय (दक्षिण), बेंगलुरु

संदेश

प्रिय साथियों,

आप सभी को हिन्दी दिवस 2019 की हार्दिक शुभकामनाएं।

किसी भी भाषा के दो रूप होते हैं - साहित्यिक और कामकाज की भाषा। कामकाज की भाषा में साहित्यिक भाषा के शब्दों के उपयोग से उस भाषा विशेष के प्रति जन सामान्य का रूझान कम हो जाता है, और उसके प्रति मानसिक विरोध बढ़ता है।

जब भारत स्वतंत्र हुआ था तो इस बात की आवश्यकता पड़ी कि नवोदित राष्ट्र की गरिमा और आत्मसम्मान के अनुकूल हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में अंगीकृत और विकसित किया जाए। भारत के संविधान निर्माताओं ने हिन्दी का महत्व सामझते हुए उसे राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में अंगीकार करने की व्यवस्था की। फलतः भारत के संविधान के अनुच्छेद 343 में यह व्यवस्था की गई कि देवनागरी लिपि में लिखी हुई हिन्दी भारत की राजभाषा होगी।

क्षेत्रीय निदेशालय, बेंगलुरु के वर्तमान कार्यक्षेत्र में मुख्यतः द्रविड़ भाषायें -कन्नड, तेलुगु, तमिल और मलयालम बोली जाती है। द्रविड़ भाषा संस्कृत भाषा से बहुत प्रभावित है और हिन्दी भाषा संस्कृत से अतः हिन्दी व द्रविड़ भाषा के भी कुछ शब्द आपस मे समानता रखते है तथा यह शब्द उसी अर्थ में प्रयुक्त भी होते हैं ।

क्षेत्रीय निदेशालय, बेंगलुरु द्वारा दैनिक कामकाज में सरल हिंदी के उपयोग पर बल दिया जाता है तथा प्रयास किया जाता है कि हम टिप्पणियां तथा पत्रादि के मसौदों

में जहां तक हो सके आसानी से समझ में आने वाले हिन्दी शब्दों का अधिक से अधिक प्रयोग करें। कार्यालय की बैठकों, चर्चाओं आदि में हिंदी में बातचीत किए जाने को बढ़ावा दिया जाता है इससे भी कार्यालय में हिंदी का आधार और व्यापक एवं मजबूत हुआ है।

क्षेत्रीय निदेशालय, बेंगलुरु द्वारा जन जागरूकता कार्य के अंतर्गत सिंगल यूज़ प्लास्टिक को प्रचलन से बाहर करने हेतु अनेक कार्य किए जा रहे हैं इस बाबत राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, स्थानीय निकाय व प्लास्टिक निर्माताओं से संपर्क स्थापित कर प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन नियमों का अनुपालन करवाया जा रहा है।सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विकल्प हेतु भी इस क्षेत्र मे कार्यरत विभिन्न संस्थानों से समन्वय किया जा रहा है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पर्यावरण संरक्षण हेतु भारत की एक शीर्ष संस्था है तथा मूलतः तकनीकी व वैज्ञानिक कार्यों का संपादन करता है। हमारी कार्यप्रणाली अंग्रेजी से ज्यादा प्रभावित रहती है क्योकि तकनीकी व न्यायालयीन कार्यों में अभी हिन्दी सर्वमान्य नही है यद्यपि क्षेत्रीय निदेशालय, बेंगलुरु का सदैव प्रयास रहा है कि राजभाषा नियमों का पूर्णत: पालन सुनिश्चित किया जाये।

आईए हम सब हिन्दी दिवस-2019 के इस अवसर पर पुन: संकल्प करे कि राजभाषा नीति सम्बन्धी कार्यों के अनुपालनार्थ यह क्षेत्रीय निदेशालय यथासंभव कार्य हिन्दी मे करने हेतु प्रयासरत रहेगा व अन्य सहभागियों को भी इस बाबत प्रोत्साहित करेगा।

(एस.सुरेश)
क्षेत्रीय निदेशक
क्षेत्रीय निदेशालय (दक्षिण),बेंगलुरु

दिनांक: 10 सितंबर 2019